चक्रधर समारोह 2024

पद्मश्री रंजना गौहर ने कबीर के जीवनी पर दी ओडिसी नृत्य की सजीव प्रस्तुति

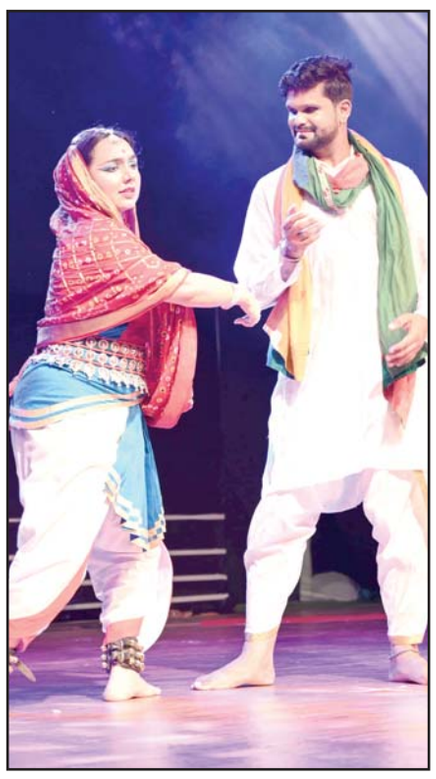

राज्य सभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ

चदरिया झीनी रे झीनी, राम नाम रस भीनी

रायगढ़

चक्रधर समारोह के दूसरे दिन 8 सितंबर को राज्य सभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भक्तिकाल के महान कवि कबीर का जीवन नृत्य विधा के जरिए चक्रधर समारोह के मंच पर तब सजीव हो उठा जब पद्मश्री रंजना गौहर ने ओडिसी नृत्य के माध्यम से उनकी जीवन यात्रा को दिखाया। रहस्यवादी कवि कबीर के अपने माता नीमा और पिता नीरू से संवाद और उनके जीवन के अलग अलग पड़ावों, उनकी सीख और अनुभवों को पद्मश्री रंजना गौहर और उनके साथी कलाकारों ने नृत्य मुद्राओं से रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। कबीर के दोहों और भजन पर सुरमयी और लयबद्ध प्रस्तुति देखना दर्शकों के लिए अद्भुत अनुभव रहा।

रंजना गौहर को ओडिसी नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदानों के लिए 2003 में प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह भारत के राष्ट्रपति से 2007 में राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी प्राप्त कर चुकी हैं। वे ख्यातिप्राप्त नृत्यांगना होने के साथ ही प्रसिद्ध पटकथा लेखक, कोरियोग्राफर और फ़िल्म निर्मात्री भी हैं। उनका जन्म दिल्ली में हुआ,बचपन में कथक सीखने के बाद उन्होंने मणिपुरी नृत्य सीखा और ओडिसी नृत्य से साक्षात्कार होने पर उन्होंने अपना जीवन इसी नृत्य शैली को समर्पित कर दिया। उन्होंने डॉक्यूमेंट्रीज बनाकर ओडिसी नृत्य को पूरे देश में विशिष्ट पहचान दिलाई। मिले। उन्होंने अपनी किताब ओडिसी, 'द डांस डिवाइन' में ओडिसी नृत्य की बारीकियों को बताया है। 'ओडिसी' ओडिशा राज्य की एक शास्त्रीय नृत्य शैली है। इस शैली का जन्म मंदिर में नृत्य करने वाली देवदासियों के नृत्य से हुआ था।

दीपान्निता सरकार के कथक ने बांधा समा : मंच पर उतरा लखनऊ घराने और जयपुर घराने का बेजोड़ संगम

दिल्ली से पहुंची कथक नृत्यांगना दीपान्निता सरकार की ने चक्रधर समारोह की दूसरी शाम मंच पर प्रस्तुति दी। नृत्य के दौरान उनकी भाव भंगिमाओं और मुद्राओं ने पूरे कार्यक्रम में समा बांध दिया। दीपान्नीता सरकार कथक के लखनऊ घराने की हैं और प्रस्तुति दे रहे कलाकार सौरभ जयपुर घराने से ताल्लुक रखते हैं। इस तरह मंच पर लखनऊ और जयपुर घराने का बेजोड़ संगम दर्शकों को देखने को मिला। पूरी प्रस्तुति के दौरान नर्तकों की

पखावज, हारमोनियम बांसुरी और तबले के साथ संगत देखते ही बनती थी। दीपान्निता ने राजा चक्रधर सिंह के कला के क्षेत्र में उनके गौरवशाली योगदान को किया नमन

हम कथक कलाकारों को राजा चक्रधर सिंह के बारे में पढ़ाया जाता है। हम कलाकार बचपन से उनके कला अवदानों के बारे में सीखते आए हैं। आज उनकी नगरी में हमे अपनी कला के प्रदर्शन का मौका मिल रहा है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

चक्रधर समारोह के द्वितीय दिवस लोक गायन के रूप में विजय शर्मा एवं टीम ने दी अपनी पहली प्रस्तुति

छत्तीसगढी गानों ने से मंत्र मुग्ध हुए दर्शक, कोरी कोरी नारियल चढ़े, महुआ झरे गानों ने दर्शकों का जीता दिल।

सुश्री वाणी राव ने दी शास्त्रीय गायन की मनमोहक प्रस्तुति

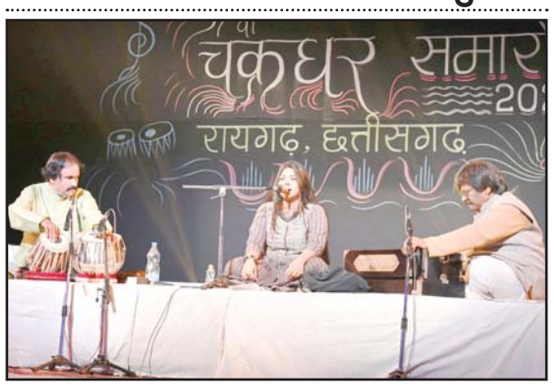

39 वें चक्रधर समारोह में विख्यात शास्त्रीय गायिका भोपाल की वाणी राव ने अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति से श्रोताओं को मोहित कर दिया। आज उनकी शास्त्रीय गायन में भगवान गणेश वंदना के पश्चात पूरिया धनाश्री में बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल की प्रस्तुति ने समारोह में आध्यात्मिक और सांगीतिक माहौल बनाया।

वाणी राव ने पारंपरिक रागों की खूबसूरत प्रस्तुति दी उनके सुरों की सादगी और भावप्रवणता ने समारोह में उपस्थित संगीत प्रेमियों का मन मोह लिया।

डॉ पूर्णाश्री राउत के ओडिसी नृत्य ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

प्रसिद्ध ओडिसी नर्तक डॉ. पूर्णाश्री राउत ने भगवान जगन्नाथ को समर्पित धार्मिक पूजा गीत को ओडिसी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुति दी। ओडिसी नृत्य की प्रसिद्ध कलाकार डॉ. पूर्णाश्री द्वारा मंच पर नृत्य का ऐसा रूप दर्शकों को देखने मिला कि सभी अपनी नजरें गड़ाए हुए उनके हर मुद्राओं और भाव-भंगिमाओं को कौतुहलवश निहारते रहे। उनके भाव भंगिमा युक्त ओडिसी नृत्य ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। दर्शकगण भगवान जगन्नाथ की धार्मिक गीत आराधना देख भक्तिमय माहौल में डूब गए।

मुख्यमंत्री साय ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

- मुख्यमंत्री साय ने माँ के सम्मान में रोपा पीपल का पौधा
- पूंजीपथरा थाना परिसर में मातृ-छाया उपवन हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम में कृषि मंत्री, वित्त मंत्री, सांसद सहित स्कूली बच्चों, अधिकारियों-कर्मचारियों ने लगाए पौधे

रायगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज पुलिस थाना परिसर, पूंजीपथरा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। मुख्यमंत्री साय ने माँ के सम्मान में लगाया पीपल का पौधा रोपा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व का सम्मान करना है।

पूंजीपथरा थाना परिसर में मातृ छाया उपवन वृक्षारोपण कार्यक्रम में कृषि एवं प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने पीपल, वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने पीपल, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने चंदन, सांसद राधेश्याम राठिया ने चंदन का पौधा लगाया। मुख्य वन संरक्षक प्रभात मिश्रा, संभाग आयुक्त बिलासपुर महादेव कावरे, आईजी संजीव शुक्ला, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों ने मातृ छाया उपवन हेतु 800 से अधिक पौधे रोपे। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रदेशभर में वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिसमें हर नागरिक को एक पौधा अपनी मां के नाम पर लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

चक्रधर समारोह में आज जीतू शंकर फ्यूजन पर देंगे प्रस्तुति

रायगढ़

39 वां चक्रधर समारोह के तृतीय दिवस 9 सितम्बर को जया दीवान, रायगढ़ कथक पर अपनी प्रस्तुति देंगी। इसी तरह खरसिया के रामप्रसाद सारथी द्वारा शास्त्रीय गायन, धरित्री सिंह चौहान, रायगढ़ द्वारा कथक, शैंकी सिंह, दिल्ली द्वारा कथक, गजेन्द्र पण्डा एवं आर्या नन्दे 'त्रिधारा ग्रुप' द्वारा ओडिसी तथा जीतू शंकर एवं ग्रुप, मुम्बई फ्यूजन पर अपनी प्रस्तुति देंगे।

कमिश्नर ने किया लखीराम अग्रवाल मेडिकल कॉलेज व गुरु घासीदास अस्पताल का निरीक्षण

- मरीजों से मुलाकात कर सुविधाओं का लिया जायजा
- स्वशासी परिषद की बैठक जल्द आहूत करने डीन को निर्देश

रायगढ़

कमिश्नर बिलासपुर महादेव कावरे ने रायगढ़ प्रवास के दौरान लखीराम अग्रवाल मेडिकल कॉलेज एवं इससे सम्बद्ध गुरु घासीदास अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान बायोमेट्रिक अटेंडेंस, कैजुअल्टी वार्ड, पुलिस सहायता केंद्र, मेटरनिटी वार्ड, ब्लड बैंक सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने भर्ती मरीज और उनके परिजनों से चर्चा कर इलाज व अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ लुका द्वारा पुलिस चौकी और स्ट्रीट लाइट की समस्या बताया गया, जिसे अधिकारियों से चर्चा करके निराकरण के निर्देश आयुक्त ने दिया। आयुक्त द्वारा कॉलेज में नेफ्रोलॉजी व कार्डियोलॉजी विभाग में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रयास करने कहा। अस्पताल में उपलब्ध मशीनों का वार्षिक रख-रखाव तथा डॉक्टरों और कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कावरे ने डीन को शीघ्र स्वशासी परिषद की बैठक रखने को भी कहा है।

बंजारी धाम परिसर में ब्रम्हलीन विभूतियों के प्रतिमा अनावरण में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम व वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी भी कार्यक्रम में हुए सम्मिलित
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तमनार को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की
- मुख्यमंत्री ने 2.51 करोड़ के कार्यों का किया शिलान्यास व लोकार्पण

रायगढ़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ प्रवास के दूसरे दिन तराईमाल धाम स्थित बंजारी माई की पूजा अर्चना एवं दर्शन लाभ लेकर प्रदेश वासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की उन्होंने परिसर में ही स्थापित पुजारी ब्रह्मलीन रामगोपाल महाराज जी, ब्रह्मलीन अंकुर मालाकार जी, पुजारिन सोनागिरी माता जी के प्रतिमा का भी अनावरण किया। साथ ही उन्होंने बंजारी माई धाम तराईमाल में विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से नव निर्माण कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जिसमें 8 कार्यों के लिए कुल 2 करोड़ 51 लाख रूपये के कार्य शामिल है। इस दौरान उन्होंने बड़ी घोषणा करते हुए तमनार को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की। इस मौके पर जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आभार जताते हुए कहा कि मैं जब सांसद के रूप में चुना गया तब से मां बंजारी के पूजा-अर्चना के साथ दर्शन लाभ मिल रहा है। मां बंजारी के आशीर्वाद से ही मैं आज प्रदेश के मुख्यमंत्री तक पहुंचा है। उनके आशीर्वाद से प्रदेश के जनता को सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करता हूं। अंकुर गौटिया के भागीरथ प्रयास से इस धाम का विकास हुआ है। वह मोपेड चलाते हुए बगिया तक भी पहुंच जाते थे कभी कोई बात करनी होती थी ऐसे जुझारू कार्य के बदौलत यह धाम आज अपने स्वरूप में है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश का गठन हुआ जिसे संवारने का काम हमारी सरकार कर रही है। महतारी वंदन, राम लला दर्शन योजना के माध्यम से हर महीने 8 हजार से अधिक दर्शन लोगों को आयोध्या, काशी ले जा रहे है। दो दिन पहले ही 8 लाख से अधिक गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास को स्वीकृति प्रदान की है। हम लगातार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए कार्यरत है।

कृषि एवं प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि मां बंजारी के आशीर्वाद से ही दोनों बेटे आज प्रदेश के मुखिया और वित्त मंत्री बने है। दोनों के पास ही विकास की चाबी है। जिससे रायगढ़ सहित प्रदेश को विकास की एक नई धारा में ले जा रहे है। मां बंजारी धाम के विकास के लिए जो आप सब लोगों ने मिलकर जो कार्य किए है वह काबिले तारीफ है। सरकार अपना काम करती ही है पर स्थानीय जनता, गरीबों को और अधिक सुविधा मुहैया के उद्देश्य से निजी संस्था भी सामुदायिक सहभागिता के नाते अपना सहयोग प्रदान करते है जो कि सराहनीय है।

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि बंजारी धाम में जीवन समर्पित करने वाली विभूतियों के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला यह सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय यहां से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। यह रायगढ़ तथा आस पास के लोगों के बीच आस्था का बड़ा केंद्र है। रायगढ़-घरघोड़ा सड़क निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। अधिकांश हिस्से के काम पूरा कर लिया गया है। जो काम बचा है उसे बारिश के तत्काल बाद पूर्ण कर लिया जाएगा। तमनार से पूंजीपथरा सड़क का निर्माण किया जा रहा है वो भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। हम इस क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे है। कार्यक्रम को सांसद रायगढ़ राधेश्याम राठिया ने भी संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि इस अंचल के प्रमुख आस्था के केन्द्र में यहां के प्रमुख विभूतियों के प्रतिमा अनावरण में शामिल होने के लिए आप पहुंचे है। उन्होंने कहा कि यहां सड़कों का काम भी तेजी से हो रहा है। अंधोसंरचनात्मक विकास कार्यों को लेकर भी कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वित की जा रही है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सत्यानंद राठिया, सुनीति सत्यानंद राठिया, विजय अग्रवाल, गुरूपाल भल्ला, उमेश अग्रवाल, श्रीकांत सोमावार, अरूणधर दीवान, गोकुल पटनायक, रंगबलहभ मालाकार, घनश्याम मालाकार, पंचराम मालाकार, पितरू मालाकार, श्याम मालाकार, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, एसपी दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव सहित मंदिर समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की बड़ी घोषणाएं, तमनार को मिलेगा नगर पंचायत का दर्जा-

तमनार को नगर पंचायत बनाने की घोषणा, छर्राटांगर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की घोषणा, पूंजीपथरा थाना में 5 स्टाफ क्वार्टर निर्माण की घोषणा, घरघोड़ा कॉलेज में एमए की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा, छर्राटांगर से पाकादरहा के बीच कुक्कुट नदी में पुलिया निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार कर प्रेषित करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बंजारी धाम स्मारिका का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने बांछा निधि भोय व आई.पी.शर्मा को सम्मानित किया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480